

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



हेमंत सरकार के मंत्रिमंडल गठन का फॉर्मूला तय मंत्रियों का शपथ कल

- झामुगो से 6, कांग्रेस से 4 और राजद कोटे से एक मंत्री होंगे
- 5 दिसंबर को 12.30 बजे राजभवन में होगा समारोह



झामुगो-कांग्रेस-राजद के बीच फॉर्मूला तय

रांची। हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद से सबकी निम्नांकित मंत्रिमंडल के गठन पर है। कांग्रेस की वजह से मंत्रिमंडल के गठन में देर हो रही थी। अब सारा मामला निपट गया है। मंत्रिमंडल गठन का फॉर्मूला तय हो गया है। हेमंत मंत्रिमंडल का स्वितार 5 दिसंबर को होगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार राजभवन के फॉलो-ज्ञान उद्यान में दोपहर 12.30 बजे मंत्रियों को पढ़ और गोपनीयता की शपथ दिया जायेगी। राजभवन में इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गयी हैं। जानकारी के मुताबिक हेमंत मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सभी 11 मंत्रियों को एक साथ शपथ दिलायी जायेगी।

सत्तारूढ़ झामुगो, कांग्रेस और राजद के बीच फॉर्मूला तय होने का दावा किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पहले की तरह इस बार में हेमंत मंत्रिमंडल में झामुगो से 6, कांग्रेस से 4 और राजद कोटे से एक मंत्री होंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने राष्ट्रीय नेताओं से की मुलाकात: कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के नाम तय करने को लेकर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो से मुलाकात की। दोनों नेताओं से मंत्रिमंडल ने सोमवार की रात

कांग्रेस प्रदेश महासचिव राकेश सिंहा ने कहा कि कांग्रेस के अंदर विद्युती की जिच नहीं है, सब कुछ तय हो चुका है। 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण होगा। इसमें कांग्रेस प्रामाणी गुलाम अहमद भी सहित कई बड़े नेता भी जुट रहे हैं।

झारखण्ड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद भी के साथ राहुल गांधी और महासचिव के बीच वेणुगोपाल से मुलाकात की। दोनों नेताओं से मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले नेता बना दिया गया है।

60 लाख महिलाओं के खाते में जायेगा ढाई हजार रुपये

सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद अधिकारी रेख
महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने जारी किया संकल्प
11 दिसंबर को जायेगा 2500 रुपये



अंचल कार्यालय में आवेदन देने वालों का लगा तांता

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस योजना को लेकर कार्यकारी हो रही है। इस योजना से जग्य की महिलाओं की आधिकारिक स्थिति सुधारने की दिशा में बड़ा कदम के स्तर पर देखा जा रहा है। इस योजना की वर्चनीय पर तारफ हो रही है। स्थिति ये है कि जो महिलाएं इस योजना के तहत छूट गयी हैं वो अब अंचल कार्यालय में जाकर जारी भर रही हैं। 3 अंचल कार्यालयों में महिलाओं की आधिकारी भी उड़ रही हैं। समय-समय पर सीम स्कूल योजना की समीक्षा भी करते हैं।

कुमार ने जो संकल्प जारी किया है उसमें लिखा है कि 28 नवंबर 2024 को मंत्रीपरिषद के बैठक में मद संख्या 03 में अन्यान्य के रूप में लिये गये निर्णय के अनुसार मुख्यमंत्री मंड़ीयां सम्मान योजना के अंतर्गत लाभुकों को दिसंबर माह 2024 से प्रति माह 2500 रुपये का भुगतान सुनिश्चित किया जायेगा।

कल्याण विभाग ने संकल्प जारी किया: दो दिसंबर को महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विकास की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। राज्यपाल के आदेश से सरकार के सचिव मनोज

तारीख पर तारीख के दिन खत्म: नरेंद्र मोदी

चंडीगढ़ में तीन नये कानून पर बोले प्रधानमंत्री



आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में तीन नये कानूनों को लागू करने की समीक्षा की। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी उनके साथ रहे। यहाँ उन्होंने चंडीगढ़ में लागू किये गये भारतीय नागरिक सुक्षम सहित और भारतीय नागरिक सुक्षम सहित अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्बन्ध का देखा गया है। इस योजना की वर्चनीय पर तारीख के दिन लद गये यानी खत्म हो रही है। नये कानूनों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई यज्ञबूत होगी। प्रधानाचार के खिलाफ लड़ाई में आने वाली कानूनी अंदरचन दूर होगी। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधन में कहा कि अब यानी खत्म हो रही है। नये कानूनों के बाद उन्हें अंग्रेजों के कानूनों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई यज्ञबूत होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ देश में 1857 में विद्रोह शुरू हुआ था। उसके बाद 1860 में अंग्रेजों ने आइपीसी बनायी। इन कानूनों का मकसद इन्होंने भारत की विकास योजना की धरनी पर लगाया।

मोदी ने आगे कहा कि देश की

आजादी के दशकों बाद भी हम

उसी दंड सहित के इर्द-गिर्द घूमते

रहे। हालांकि इन कानूनों में थोड़ा-

बहुत बदलाव जरूर हुआ, लेकिन

इनका चरित्र वही बना रहा।

आजाद देश में गुलामों के लिए बो

कानूनों को बोंचों ढोया जाये।

न हमें यह बात उनसे पूछी, न ही

शासन कर रहे लोगों ने समझी।

इन्होंने भारत की विकास योजना की

प्रभावित किया।

मोदी ने अगे कहा कि देश की

आजादी के दशकों बाद भी हम

उसी दंड सहित के इर्द-गिर्द घूमते

रहे।

मोदी ने कहा कि अंग्रेजों के

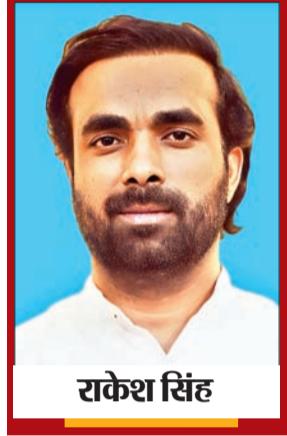
कानूनों से कैसे-कैसे बोले

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों

को लोगों

अबुआ राज संपूर्ण विकास

- इस बार डबल रफ्तार से दौड़ेगी झारखंड के विकास की गाड़ी
- झारखंड का उत्कृष्ट मॉडल सामने लाने का होगा सरकार का विजय
- सीएम ने दे दिया निर्देश अधिकारी लग जायें काम पर



राकेश सिंह

जबसे झारखंड विधानसभा चुनाव का परिणाम आया है, देश भर की नज़रें हेमंत सोरेन पर हैं। आज समूचा राजनीतिक खेल उनके राजनीतिक सूचीबद्ध का काल है। जिस तीरे से हेमंत सोरेन ने नेतृत्व में ज्ञानों के गढ़बंधन ने चुनाव लड़ा, विरोधी भी दबो जुबान से हेमंत की रणनीति के बारे में सराहना कर रहे हैं।

हेमंत सोरेन इस बार और मजबूत होकर उभेरे हैं। जनता का अपार समर्थन उन्हें हासिल हुआ है। हेमंत को जनता का रुप चुकाने का वक्त आ चुका है। यानी जनता से किये गये वादों को अमली जमा किया जाएगा। हेमंत भी चाहेंगे कि जनता का उनके प्रति भरोसा और भी प्रगाढ़ होता रहे। अबुआ सरकार का बजट झारखंड की जनता के विकास के लिए समर्पित होगा। हेमंत सोरेन ने साफ निर्देश दिया है कि सभी अधिकारी काम पर लग जायें।

केवल खर्च नहीं राजस्व संग्रहण पर भी नजर

मुख्यमंत्री की नजर केवल विकास और जनहित कार्यों में राश खर्च करने की नहीं है। इसके लिए राश कठोर से आयेगी, इस पर भी उनकी नजर है। एसएक का फोकस राजस्व संग्रहण पर है, यह सोमवार को उच्चाधिकारियों के साथ हुई बैठक में दिख गया है। उन्होंने अतिरिक्त राजस्व संग्रहण के नये स्रोतों के लिए संभावनाओं को तलाशने की जिम्मेदारी अधिकारियों को दी है। हेमंत सोरेन का फोकस राजस्व प्रबंधन को मजबूत बनाने का है। इसके



साथ राजस्व की बर्बादी और

स्थापना व्यवहार को नियंत्रित करने

के लिए कदम उठाने का भी अधिकारियों से यह भी कहा कि

रेवेन्यू जनरेट सिस्टम का माइक्रो

लेवल ऑफरेशन कर इसकी खामियों को दूर करना है।

मुख्यमंत्री बनते ही एक्शन में आये

हेमंत सोरेन ने जैसे ही मुख्यमंत्री पद की शपथ ली वह तुरंत एक्शन मोड में आ गये। उन्होंने एक के बाद एक कैबिनेट

एसटी की 27 सीटों पर महागठबंधन की जीत हुई है : सुप्रियो भट्टाचार्य

बाबूलाल पर कसा तंज, कहा-सिर्फ घटियाली आंसू बहाने से कुछ नहीं होने वाला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बीजेपी और बाबूलाल मरांडी पर प्रश्न किये। साथ ही उन्होंने कहा कि 11 तारीख को मईयां समान योजना की राश 2500 रुपये महिलाओं के खाते में खटाखट भेज दी जायेगी। जेएमएम नेता ने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद बीजेपी को झटका लगा है। कहा कि इस विधानसभा चुनाव में 28 रिजर्व सीटों में 27 हम जीते हैं। जो एक सीट भी है, उसमें मैं भी बहुत कम अंतर है। आइको बाद नतीजों के बाद बीजेपी को चाहिए। शिवराज सिंह चौहान से करना चाहिए। सुप्रियो ने आगे कहा, झारखंड के अदिवासी मूलवासी लोगों ने हमे जो आशीर्वाद दिया उन्हीं के बेटे को बीजेपी के तमाम नेता अपदस्थ करने के लिए बाहर से आये थे। लेकिन झारखंड की जनता ने उनको नकर दिया। सुप्रियो ने आगे कहा, झारखंड का नया मरिंगडल को सचेत करते हुए कहा कि आप बाहर के नेताओं के चक्रकर में न



पड़ें। उन्होंने सवाल किया, आपने

क्या कभी असम के चाव बगान में

काम करने वाले द्वीप द्राइव्स की

चर्चा की। जेएमएम नेता ने कहा,

आपको ये सवाल असम के

मुख्यमंत्री हिंमत बिस्ता सरासे

मध्यस्थ और अंदेशा का दौरा

करें। कहा कि मरांडी ने राज्यों

की स्टडी करें। वहाँ के आइम

जनजातियों की स्थिति और

आर्थिक सामाजिक व शैक्षणिक

हालत क्या है, ये देखें का काम

करें। कहा कि सिर्फ घटियाली

आंसू बहाने से कुछ नहीं होने

वाला है। उन्होंने बाबूलाल मरांडी

को सचेत करते हुए कहा कि आप

बाहर के नेताओं के चक्रकर

में न

अर्जुन मुंडा के बड़े भाई भीमसेन मुंडा का निधन



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के बड़े भाई

भीमसेन मुंडा के निधन हो

गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

इस संबंध में अर्जुन मुंडा ने सोशल

मीडिया एक्स पर दुख जताए हुए

जनकारी दी है। मुंडा ने कहा कि उनके

बड़े भाई भीमसेन मुंडा का अंतिम

संस्कार के लिए गोदावांश, जमजोर रिहाने की कामना करता है।

सोशल मीडिया पर अपनी चिंता साझा

करते हुए कहा कि उनके बड़े भाई

भीमसेन मुंडा के निधन पर भारत सरकार

के केंद्रीय रक्षा मंत्री संजय सेठ

ने अपनी गरिमा से उत्तर दिया है।

उन्होंने कहा कि यह सुवना अंत्यत

दुःख है। इंशरपूर परिवार को दुःख

की इस धरी से उबरने की हिम्मत दें।

पुष्पाला के लिए इंशरपूर से मोक्ष

के लिए उपर्युक्त करना चाहिए।

प्रातः हम सभी को ओङ्कर चले गये।

संवैधानिक संस्थाओं में खाली पदों के कारण आम जन को नहीं मिल रहा न्याय: बाबूलाल

लोकायुक्त, मानवाधिकार

आयोग, साध महिला

आयोग, सूचना आयोग में

लंबे समय से खाली पड़े हैं

पद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी

ने राज्य में विधानसभा संस्थानों में

खाली पदों के लिए लंबे समय से चंता

जाता है। इससे सरकार की

जावाहदी कमजोर चल रही है।

भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिनाने की

शिकायत की जाती है। संसाल

मीडिया पर अपनी चिंता साझा

करते हैं कि संवैधानिक

संस्थाओं में खाली पदों के कारण

आम जनता को न्याय नहीं मिल

पाते हैं। यह आंसू बहाने से

कमजोर होता है। लेकिन बाबूलाल

मरांडी को बढ़ावा दिनाने की

शिकायत की जाती है।

संवैधानिक संस्थानों की

मानवाधिकार की जाती है।

गढ़वा

एनआइसी में भाग लेने के लिए एनपी यूनिवर्सिटी की टीम बरेली रवाना



गढ़वा (आजाद सिपाही)। महात्मा ज्योतिबा फुले रेहिलखड़ विश्वविद्यालय बरेली में पंच से 11 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में भाग लेने के लिए नीतांबर पीठांबर विश्वविद्यालय की नव सदस्यीय टीम मंगलवार को बरेली के लिए रवाना हो गयी। विश्वविद्यालय की एनएसएस की टीम में सेरत पाठें डिग्री कॉलेज गढ़वा से मैलीम कालिज, लौकांक विश्वविद्यालय, सिरम सोने, वाई एस एन मिलियन कालिज मेंटीनेशनर से युक्ती कुमारी और स्टीफनी कुमारी के नाम शामिल हैं। टीम के कॉलेज पांकी से सेनू कुमार, अर्पिक कुमार मेहरा और चांदनी कुमारी के नाम शामिल हैं। टीम के कंटीनेंजे लौंडर के रूप में एसपीडी कॉलेज, गढ़वा के प्रो कमलेश कुमार सिन्धा शामिल हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए नीतांबर पीठांबर विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम समन्वय के ड्रॉ प्रैटीप कुमार ने बताया कि बरेली में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में विश्वविद्यालय की टीम झारखंड राज्य की टीम के रूप में भाग लेगी। साथ ही राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी टीम भाग लेनी उन्होंने बताया है। पुलिस ने शव को कब्जे में कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये छापमारे शुरू कर दी है। दिनदहाड़े ताबड़ोड़ी आठ गोलियों की आवाज से खटानस्थल से बाईंक व आठ गोलियों के बरामद किया गया है। घटना के पास से बरामद पर्स से उसका पैन कार्ड सहित अन्य कागजात पुलिस से बरामद किया गया है।

डैम में झूंके व्यक्ति का शव दो दिन बाद पुलिस ने किया बरामद



रंका (आजाद सिपाही)। रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मानपुर निवासी विफन ग्राम की मौत स्थान करने के दौरान दो दिसंबर को गाव स्थित डैम में ढूँबे से हो गयी थी। बिन्दु मुतक का शव पता नहीं चलने के कारण रंका पुलिस की उपस्थिति में मंगलवार को द्वारा शब बरामद किया गया। जिससे रंका पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए धैर्य दिया है। स्थान के समस्याएँ ताप के बरामद किया गया। जिससे रंका पुलिस के पुत्र रविंश कुमार भी साथ में था जिसने पिता को ढूँबे की सुचना घर पर आकर दिया था। मृतक बेहद गरीब परिवार से था। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

चौथी जेनरल हॉस्पिटल गढ़वा में 45 मरीजों को दिया गया परामर्श



गढ़वा (आजाद सिपाही)। पटाना के सुपरिस्पैट हैदराबाद, नस्त और लकवा रोग विशेषज्ञ (न्यूरोफिजिशियन) डॉ पी के वर्मा ने चौथी जेनरल हॉस्पिटल, गढ़वा में 45 मरीजों को स्वास्थ्य परामर्श किया। इसमें ज्यादातर उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, सीने में दर्द, सास लेने वाले, तुकड़े तुकड़े लेने वाले आदि समस्याएँ मरीजों द्वारा बताये गये। डॉ वर्मा ने कहा कि ठंड में धमनियां सिकुड़ जाती हैं जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दूसरे पर दर्द बढ़ता है। ठंड में शरीर की गर्मी को बनाये रखना मुश्किल होता है, जिससे खुन गाढ़ा हो जाता है और रक्त प्रवाह में दिक्षिण आती है। सर्दियों में लोग कम पानी पीते हैं और ज्यादा शब्द प्रेशर बढ़ता है। ब्लड में शरीर की गर्मी को बनाये रखना और ब्लड प्रेशर बढ़ने से हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक (लकवा) का खतरा बढ़ जाता है। इन खतरों से बचने के लिए डॉ पी के कार्यक्रम की अपने आहार में हृदय के लिए फायदेमंद चीज़ शामिल करें, जैसे कि अल्पांश, लाल सून, दालचीनी, हल्दी आदि। ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को नियन्त्रित रखें। मोटापा के मक्के करें, इसके लिए नियमित व्यायाम करने की जरूरत है। उन्नत और टेंशन करें। समय पर खाना खायें और जंक फूड न खायें। छह से आठ घंटे की नींद लें। धूप्रपान और शराब से बचें। साल में एक बार कार्डियक चेकअप जरूर करें। साथ ही तीन महीने पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हेमोग्लोबिन आदि रुटीन चेकअप करते रहें ताकि शरीर में हो रही कमियां सापेक्ष पर पता चल सकें। हॉस्पिटल निदेशक सह डेंटल डॉ जुली कुमारी ने कहा कि डॉ पी के कार्यक्रम प्रभावित हैं और नस सम्बंधित मरीजों के लिए परामर्श देते हैं।

बच्चों को डॉ राजेंद्र प्रसाद से देशभक्ति और सादगी की सबक लेनी चाहिए : निदेशक



गढ़वा (आजाद सिपाही)। सादगी के प्रतिमूर्ति थे डॉ राजेंद्र प्रसाद। बच्चों को डॉ राजेंद्र प्रसाद से देशभक्ति और सादगी की सबक लेनी चाहिए। देशरक डॉ राजेंद्र प्रसाद सादगी की जीवन से देशभक्ति थे। स्थानीय जीएन कांवेंट (10+2) ब्लड में डॉ राजेंद्र प्रसाद की जीवन से देशभक्ति थे। डॉ राजेंद्र प्रसाद देशभक्ति के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तरके विषय में कहा जाता है कि किसी परीक्षा में परीक्षक ने उन्हें उत्तर पुरितक पर यह लिखा कि 'एजामिनी इज बेर देन एजामिन' वे भरतीय स्वतंत्रता सेनानी के साथ स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उनका कहना था कि दिखावटी और फिजूल खर्ची अच्छे मरुषों का लक्षण नहीं है। आये आज हम सभी मिलकर डॉ राजेंद्र प्रसाद को नमन करें और उनके कार्यक्रम के साथ-साथ बड़े ही बिंदुओं शे उत्तर

